

य इनिशियल्स जज

रामेश्वर - 7, 15.11.20

दिनांक	<p>18/2017 हुकम या कार्यवाही प्रय इनिशियल्स जज</p> <p>15.11.20</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
	<p>पञ्जाब - पेशा नुबुलाम - 347            प्रिन्सिपल - का प्र.प.प. फोन नं. - 212            212 R.T. नं. के लीकर क्रिया -            लता है व सा-विद्युत-निर्देश-पुस्तक -            से लिखना लाकर बाद रहस्यकार -            शा. फिलव-क्रिया-जमा पञ्जाब -            फिलव शुभर-वेक्टर-बाद-मध्य -            की वल-एक्टर-को</p> <p>महायक कलक्टर (SDO), खीवसा</p>	

पेशा नुबुलाम - 347  
मो-पेशा पञ्जाब  
केल B.10.20

नुबुलाम - 347  
केल 15.10.20

पाम 347  
केल 12.11.20

नुबुलाम - 347  
R.T. नं. 1  
नं. फोन 21

महायक कलक्टर  
(SDO), खीवसा

रामेश्वर

3. अपूर्णणीय क्षति :-

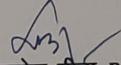
जहाँ तक इस बिन्दू का प्रश्न है प्रार्थना पत्र को स्वीकार न किये जाने की दशा में केवल अप्रार्थी को अपूर्णीय क्षति नहीं होकर के साथ में ही प्रार्थी को भी विधिक हानी होकर अपूर्णीय क्षति होने की संभावना है । अगर अप्रार्थी के द्वारा वादग्रस्त आराजी का किसी अजनबी केता को बैचान कर दिया जाता है तो प्रार्थी को अपूर्णीय क्षति होने की संभावना है ।

इस प्रकार उपरोक्त विप्लेषण से प्रा.पत्र के तीनों बिन्दू 1. प्रथम दृष्टया मामला, 2. सुविधा का संतुलन, 3. अपूर्णीय क्षति यह तीनों बिन्दू प्रार्थी के पक्ष में प्रतीत होते हैं इसलिए प्रार्थी का प्रा.पत्र स्वीकार योग्य होने की वजह से स्वीकार किया जाता है तथा यह आदेश जारी किया जाता है कि :-

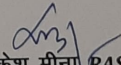
आदेश

अतः मौजा आकला के विवादग्रस्त खसरान पर उक्त प्रकरण में दिनांक 22.02.2017 को जारी अतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा को ता-फैसला वाद तक स्थाई (Confirm) किया जाता है ।

नोट:- उपरोक्त खसरान पर किसी भी न्यायालय का स्थगन आदेश न हो तो उक्त आदेश की पालना कर अवगत करावे । खर्चा पक्षकारान अपना अपना वहन करें ।

  
राजकेश मीना RAS  
(सहायक कलेक्टर)  
खीवसर

उक्त निर्णय आज दिनांक : 15-11-2020 को सरे इजलास सुनाया गया ।

  
राजकेश मीना RAS  
(सहायक कलेक्टर)  
खीवसर